Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

शहरी युवाओं में उद्यमिता एवं उभरती स्टार्टअप संस्कृति का विश्लेषणात्मक अध्ययन
दुर्ग जिले के संदर्भ में

पूर्वा शर्मा [1]
(शोधार्थी)
शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

डॉ. अनिता दीक्षित [2]
(शोध निर्देशक)
शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

सारांश

*प्रस्तुत शोध पत्र, दुर्ग जिले के शहरी युवाओं में उद्यमिता एवं उभरती स्टार्टअप संस्कृति के प्रभाव और प्रसार का विश्लेषणात्मक अध्ययन करती है। इस शोध में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के भिलाई नगर शहर में स्थित कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कला संकाय में अध्ययनरत् स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के 100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। प्राथमिक आँकड़ों के संग्रह हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण प्रतिशत गणना द्वारा किया गया है। अध्ययन के निष्कर्ष से स्पष्ट होता है, कि युवाओं की मानसिकता पारंपरिक रोजगार से स्वरोजगार की आरे बढ़ रही है। अध्ययन में यह भी स्पष्ट होता है कि 62 % युवा स्टार्टअप के प्रति रूचि रखते है जबकि 48 % युवा, नौकरी की तुलना में स्टार्टअप को एक बेहतर विकल्प के रूप में देखते है। इस परिवर्तन का मुख्य कारण नौकरी की कमी और बेरोजगारी कारण है, जिसके कारण 35 % युवा, उद्यमशीलता अपनाने की सोच रखते है। यह अध्ययन दर्शाता है कि 52 % युवाओं में आंशिक सहमती है कि रोजगार का सृजन उद्यमिता से होता है। 58 % युवा नवाचार एवं नयी तकनीक विकास का श्रेय स्टार्टअप को देते है इससे दुर्ग जिले में पूंजी निवेश की मात्रा भी निश्चित रूप से बढ़ेगी तथा नये विचार एवं रचनात्मक सोच रखने वाले युवाओं को अवसर मिलेगा, जिसे आत्मनिर्भरता कि ओर एक कदम माना जा सकता है। यह शोध पत्र स्पष्ट करता है कि युवाओं के इस उत्साह को सही दिशा प्रदान करने के लिए सरकारी नीतियों में सुधार एवं आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए उचित प्रयास की आवश्यकता है। **करतिया, एस. एवं सूभाषिनी, आर. (2024)** नें कल्टीवेटिंग एन्टर प्रिन्यूरशीप एंड स्टार्टअप कल्चर अ केस स्टडी ऑफ दी आग्राजर कॉलेल ऑफ इंजीनियरिंग विषय पर अध्ययन में बताया कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एक सफल रणनीति पर केन्द्रित है। यह आज*

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

के नवाचार आधारित युग के लिए महत्वपूर्ण है। TCE ने अपने पाठ्यक्रम में उद्यमिता संबंधी मॉड्यूल को एकीकृत किया है। जिससे छात्रों को नए व्यावसायिक विचारों को विकसित व लागू करने के लिए कौशल मिल सके। यह शिक्षा को समृद्ध करने के लिए विभिन्न स्टार्टअप कंपनियों के साथ साझेदारी भी करता है। यह अध्ययन दिखाता है कि TCE कैसे छात्रों को अपनें विचारों को व्यवहारों स्टार्टअप में बदलने के लिए सक्षम बनाता है। ***फ्रिस्टच, एम. एवं माईर्विच, एम. (2017)*** *नें द इफेक्ट ऑफ इंटरप्रिन्यूरशीप ऑन इकोनॉमिक डेवलेपमेंट एन एम्पीरिकलन एनालिसित युजिंग रिजनल एन्टरप्रिन्यूरशीप कल्चर में बताया कि उद्यमिता की क्षेत्रीय संस्कृति युवाओं में उद्यमिता को बढ़ानें में एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है। प्रमुख परिणाम दर्शाते है कि जर्मन क्षेत्रों में 1920 के दशक में उद्यमिता का स्तर उच्च था। वहां 50 साल के बाद भी स्टार्टअप दरें अधिक थी। अध्ययन में यह भी निष्कर्ष पाया गया कि नवीन उद्यमिता गतिविधियों द्वारा क्षेत्रीय रोजगार पर प्रभाव पड़ता है एवं रोजगार में वृद्धि पायी गयी।*

मुख्य शब्द : उद्यमिता, उभरती स्टार्टअप संस्कृति, युवा, रोजगार।

प्रस्तावना

हमारे 21वीं शताब्दी के युग को ज्ञान और नवाचार पर आधारित अर्थव्यवस्था का युग कहा जाता है। आज यहां रोजगार की परंपरागत विचारधारा तेजी से बदल रही है। पहले के युवा सुरक्षित सरकारी/प्राइवेट नौकरी की प्राथमिकता देते थे। परंतु आज की परिस्थिति अलग ही प्रतीत रहो रही है, शहरी युवा अपने नये विचारों पर कार्य करने हेतु अग्रसर है। वह जोखिम लेने और स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने पर जोर दे रहे है। आज के युवाओं की यही प्रकृति उद्यमिता के विस्तार और स्टार्टअप संस्कृति के विकास को नयी दिशा दिखा रही है।

हमारा भारत विश्व स्तर पर स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। युवाओं में उद्यमिता के प्रति विश्वास उत्पन्न करने वाले कारक सरकार की नीतियाँ, भुगतान प्रणाली अनुकुल व्यापार वातावरण इत्यादि है। उद्यमिता की विचारधारा सिर्फ महानगरों तक ही सीमित नही है बल्कि यह छोटे–छोटे शहरो में भी देखने को मिलती है।

दुर्ग जिला, हमारे छत्तीसगढ़ का एक शहर है। यहां औद्योगिक इकाईयां, संसाधन की उपलब्धता तथा शैक्षणिक संस्थान द्वारा युवाओं को नये व्यापारिक उद्योगों के लिए नये–नये अवसर प्रदान किया है। यहां वह भी देखा जा सकता है कि युवा नौकरी के साथ–साथ अपना व्यापार/उद्यम शुरू की करने की सोच भी रखते है। इन्हीं सभी कारणों के आधार पर दुर्ग जिले में स्टार्टअप विचारधारा, स्थानीय बाजार की संभावना और नवाचार के रूप में नई उद्यम संस्कृति भी विकसित हो रही है।

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

इस प्रकार शहरी युवाओं में उद्यमिता और उभरते स्टार्टअप संस्कृति का अध्ययन हमारे दुर्ग शहर के आर्थिक विकास को समझने में सहायक होगा, साथ ही यह स्पष्ट करेगा कि आप का शहरी युवा किस प्रकार अपनी क्षमता का उपयोग संसाधनों के साथ कर भविष्य की अर्थव्यवस्था के निर्माण में सहायक सिद्ध होगा।

इस शोध से दुर्ग जिले के शहरी युवाओं की उद्यमशीलता की प्रकृति, उसको प्रेरित करने वाले तत्व, आने वाली बाधाएँ और अवसरों के विश्लेषण में सहायता मिलेगी। जिसके आधार पर दुर्ग जिले के स्टार्टअप की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा।

दुर्ग जिले में उद्यमिता एवं स्टार्टअप संस्कृति उभरते के कारण

1. **सहायक अवसंरचना और सरकारी नीतियाँ** – स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलु ने उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया है। इसके आधार पर कर में छूट, तेज पेटेंट पंजीकरण, आसान अनुपालन नियम इत्यादि सुविधाएँ प्रदान है।
2. **वित्तीय सहायता तक पहुँच** – वित्तीय प्रौद्योगिकी के विकास नें उद्यमी को स्टार्टअप संस्कृति के लिए ऋण प्रदान करना काफी हद तक आसान कर दिया है।
3. **प्रौद्योगिकी में प्रगति** – हाईस्पीड इंटरनेट, स्मार्टफोन का व्यापक उपयोग इत्यादि ने स्टार्टअप संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
4. **सहयोग और नेटवर्किंग** – इसके आधार पर कंपनियों को एक साथ काम करने और नये विचारों को विकसित करने का माहौल मिलता है।

चुनौतियाँ

1. **नियामक चुनौतियां** – कानून और नियमों के पालन संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
2. **प्रतिभा अधिग्रहण** – कुशल व्यक्तियों की एक सक्षम टीम बनाना भी मुश्किल है।
3. **बाजार प्रतिस्पर्धा** – पहले से स्थान रख रहे व्यापारियों के साथ नये उद्यमियों की बाजार प्रतिस्पर्धा भी देखने को मिलती है।

उद्देश्य

1. उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित करने वाले कारकों का पहचान करना।
2. स्टार्टअप संस्कृति के प्रति जागरूकता का स्तर जानना।
3. स्टार्टअप से स्थानीय रोजगार, नवाचार और आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

शोध पद्धति

इस शोध पत्र में शोध विधि के रूप में विवरणात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है। आंकड़ों के संग्रहण के लिए प्रश्नावली का उपयोग किया गया। जिनमें पूछे गए प्रश्न उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित करने वाले कारक तथा उससे रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ने वाले प्रभावों से संबंधि थे।

अध्ययन की परिसीमाएँ

1. प्रस्तुत शोध कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई नगर में अध्ययनरत कला संकाय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तक परिसीमित है।

2. अध्ययन में केवल कला संकाय के 100 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है।

शोध क्षेत्र एवं समंको का विश्लेषण

इस शोध पत्र में अध्ययन के लिए दुर्ग जिले में स्थित कल्याण स्नात्कोत्तर महाविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को लिया गया। जहाँ कुल अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संख्या 1680 है।

इसमें से ही 100 विद्यार्थियों का चयन दैव निर्देशन पद्धति से किया गया। यह शोध पत्र व्याख्यात्मक व विश्लेषणात्मक अनुसंधान पर आधारित है। इस प्रकार प्रश्नावली के माध्यम से संग्रहित किये गये आंकड़े का सारणीयन व विश्लेषण निम्नानुसार है।

तालिका क्रमांक 1

क्र.	उद्यमिता व स्टार्टअप संस्कृति के प्रति रूचि	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	62	62
2	नहीं	15	15
3	आंशिक रूप से	20	20
4	कभी–कभी	03	03
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 1

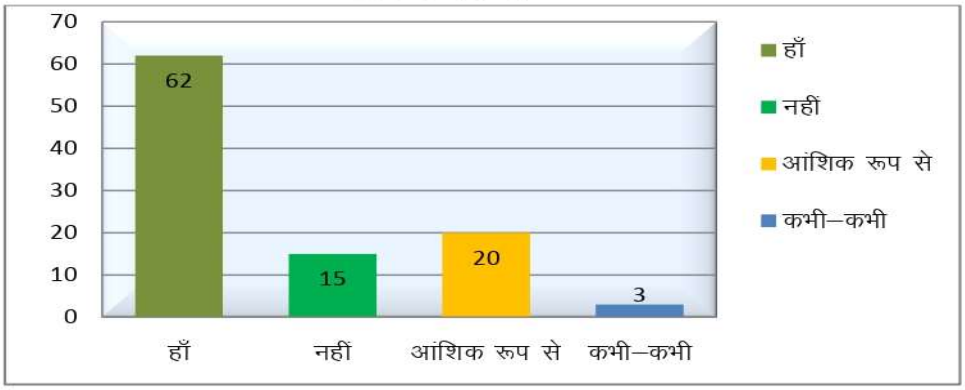

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

तालिका क्रमांक 1 से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक युवा स्टार्टअप संस्कृति के प्रति रूचि रखते है, जिसका प्रतिशत 62% है। सबसे कम कभी–कभी रूचि लेने वाले व्यक्तियों का प्रतिशत 3% है। जो यह दर्शाता है कि युवाओं में उद्यमिता व स्टार्टअप संस्कृति के प्रति रूचि का सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया।

तालिका क्रमांक 2

क्र.	उद्यमिता व स्टार्टअप के प्रेरक तत्व	आवृत्ति	प्रतिशत
1	नौकरी की कमी	35	35
2	प्रतियोगी परीक्षा में असफलता	15	15
3	पारिवारिक दबाव	22	22
4	सोशल मिडिया और डिजिटल प्लेटाफार्म	28	20
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 2

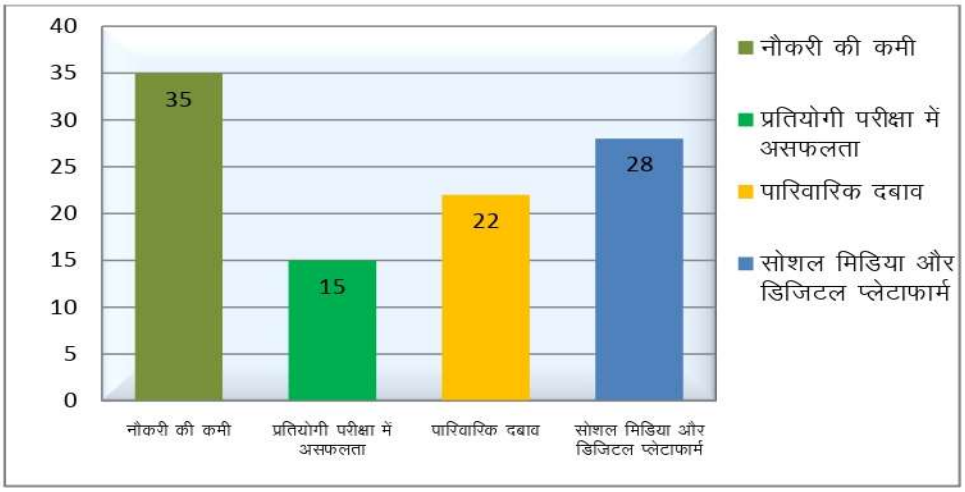

कल्याण कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी के आधार पर नौकरी में कमी के चलते युवा उद्यमिता की ओर आकर्षित हो रहे है, जिसका प्रतिशत 35% है। इसके बाद 28% सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्म प्रेरित करते है।

तालिका क्रमांक 3

क्र.	उद्यमिता पारंपरिक नौकरी की तुलना में अधिक श्रेष्ठतर	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हाँ	48	48
2	नहीं	20	20
3	निश्चित नहीं	22	22
4	पता नहीं / कभी–कभी	10	10
	कुल	100	100

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

आरेख क्रमांक 3

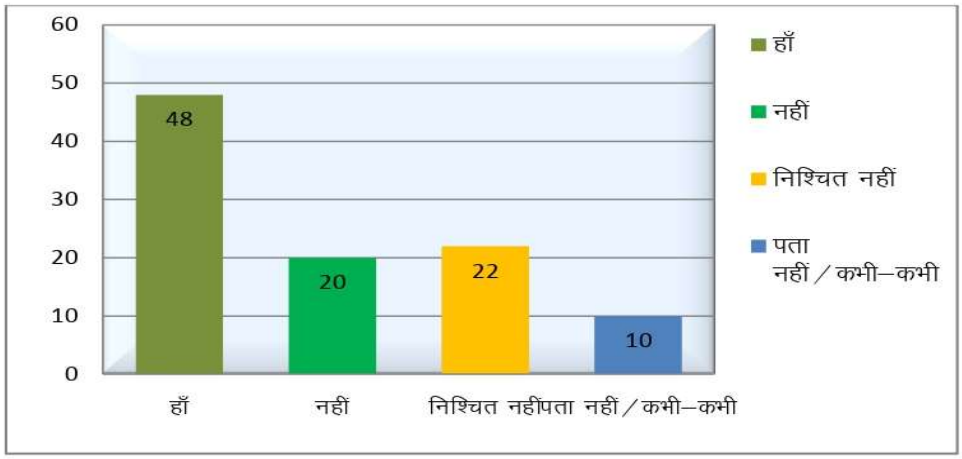

उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है के 48% युवा पारंपरिक नौकरी की तुलना में उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को अधिक श्रेष्ठकर मानते है। सिर्फ 20% ही उसे श्रेष्ठकर मानते है। इस प्रकार निष्कर्ष रूप में हम इसे श्रेष्ठकर कह सकते हैं।

तालिका क्रमांक 4

क्र.	स्थानीय स्तर पर रोजगार अवसर सृजन में सहायक	आवृत्ति	प्रतिशत
1	पूर्णतः सहमत	28	28
2	आंशित सहमत	52	52
3	आंशिक असहमत	12	12
4	पूर्णतः असहमत	08	08
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 4

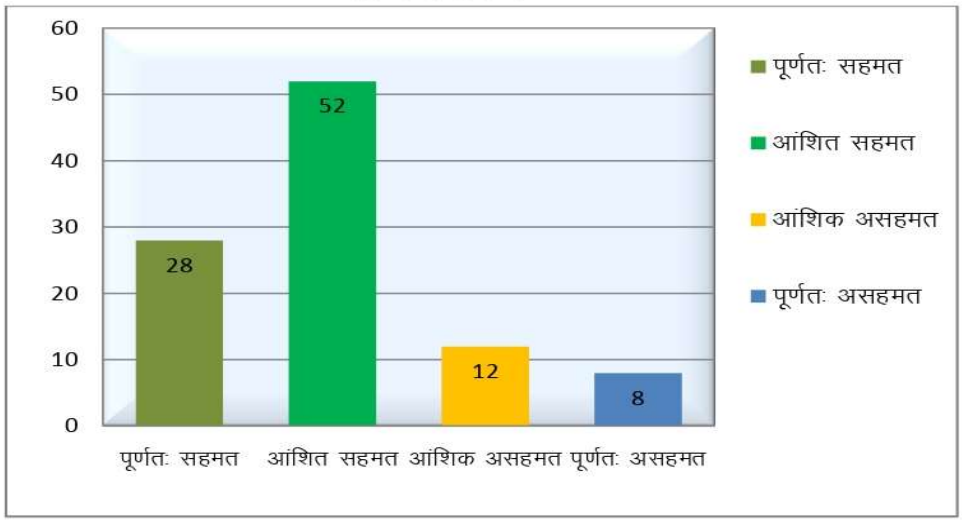

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

तालिका से स्पष्ट है, कि 52% युवा आंशिक रूप से सहमत है कि रोजगार का सृजन होता है। पूर्णतः सहमत युवाओं का प्रतिशत 28% है।

तालिका क्रमांक 5

क्र.	अधिक रोजगार प्रदान करने वाले क्षेत्र	आवृत्ति	प्रतिशत
1	IT/Software	20	20
2	Trading	18	18
3	Education	26	26
4	Food	36	36
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 5

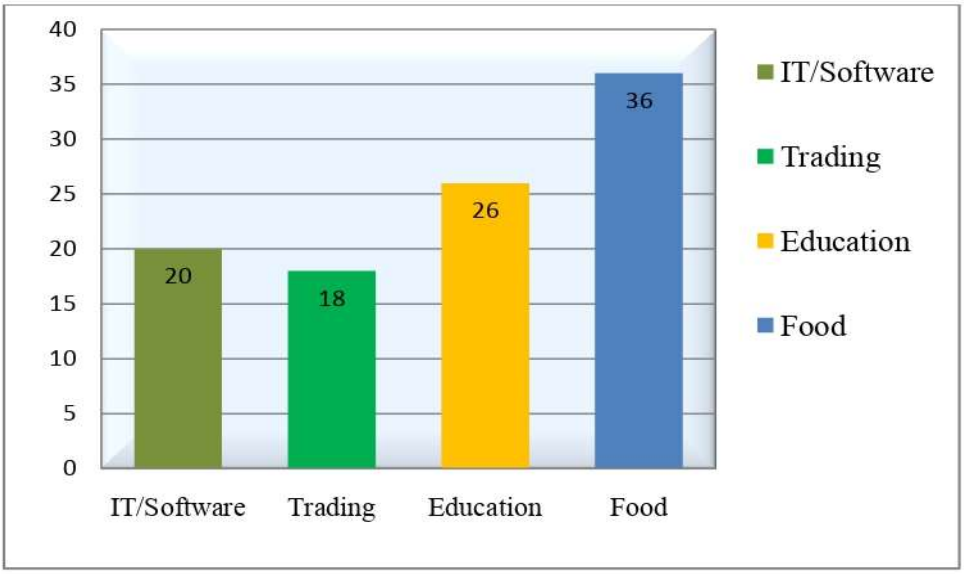

उद्यमिता व स्टार्टअप संस्कृति के रूप में 36% युवाओं का कहना है कि Food क्षेत्र अधिक रोजगार प्रदान करते है। द्वितीय स्तर पर शिक्षण संस्थान रोजगार प्रदान करता है।

तालिका क्रमांक 6

क्र.	नवाचार और नयी तकनीक विकास को प्रोत्साहन	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हां	58	58
2	कभी–कभी	14	14
3	आंशिक रूप से	20	20
4	नहीं	08	08
	कुल	100	100

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

आरेख क्रमांक 6

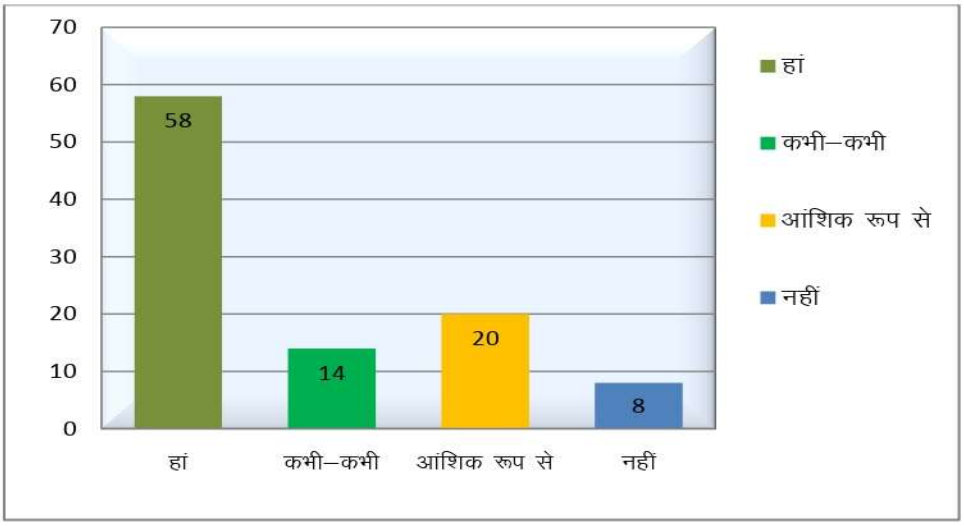

उपर्युक्त तालिका विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 58% युवा सहमत है कि उद्यमिता व स्टार्टअप सांस्कृतिक द्वारा नवाचार और नयी तकनीक विकास को प्रोत्साहन मिलता है। सिर्फ 8% युवा ही इस बात से असहमति प्रदान करते है।

तालिका क्रमांक 7

क्र.	उत्पाद व सेवा की मांग में वृद्धि एवं अर्थव्यवस्था को लाभ	आवृत्ति	प्रतिशत
1	पूर्णतः सहमत	30	30
2	आंशिक सहमत	28	28
3	पूर्णतः असहमत	16	16
4	आंशिक असहमत	26	26
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 7

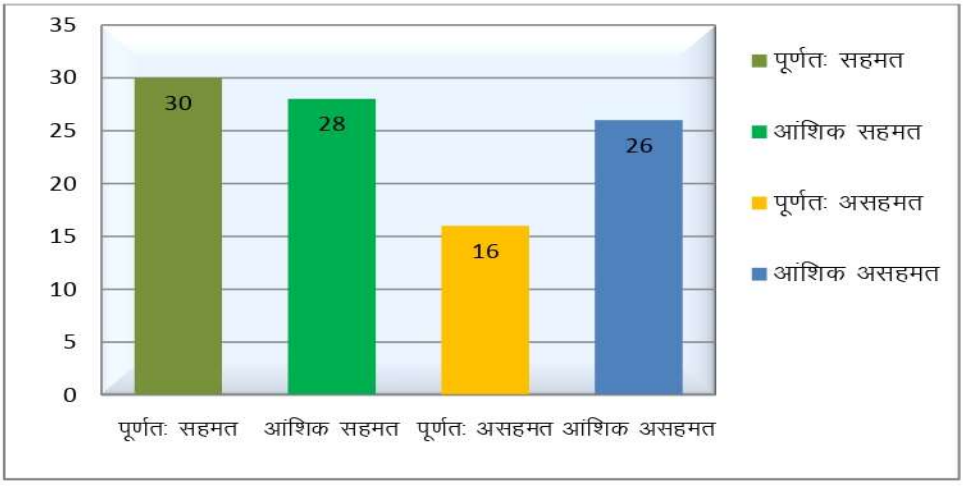

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

30% युवा विद्यार्थियों के आधार पर स्टार्टअप से स्थानीय उत्पाद और सेवाओं की मांग में वृद्धि होती है जिससे स्थानीय अथर्वव्यवस्था को लाभ मिलती है। लेकिन 28% युवाओं ने अपनी आंशिक सहमति प्रकट की।

तालिका क्रमांक 8

क्र.	स्थानीय विशेष में पूंजी निवेश के अवसर में वृद्धि	आवृत्ति	प्रतिशत
1	हां	50	50
2	आंशिक रूप से	26	26
3	आंशिक रूप से नहीं	13	13
4	पूर्णतः नहीं	11	11
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 8

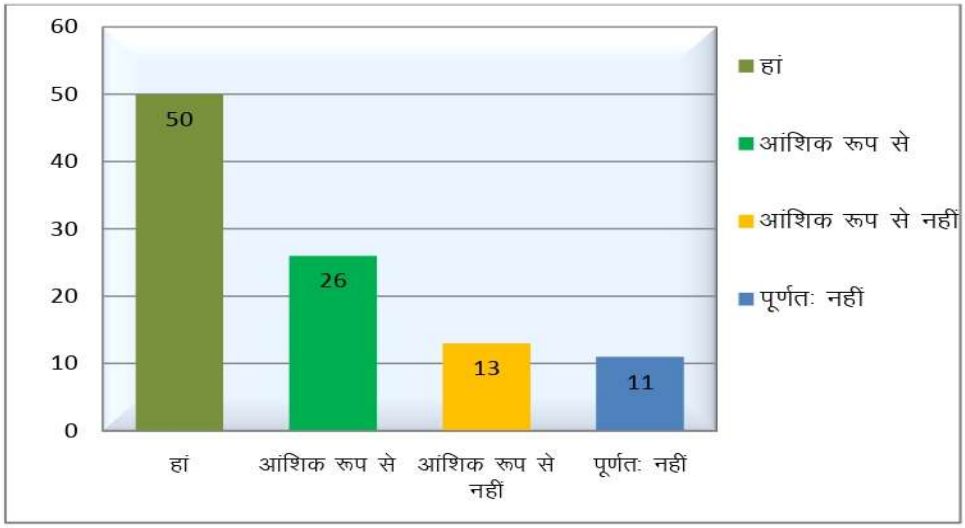

तालिका 8 के आधार पर 50% युवाओं ने माना कि स्टार्टअप से क्षेत्र में निवेश की मात्रा में वृद्धि होती है। जिससे स्थानीय विकास भी संभव है।

तालिका क्रमांक 9

क्र.	रचनात्मक सोच और नए आइडिया का सृजन	आवृत्ति	प्रतिशत
1	पूर्णतः सहमत	48	48
2	आंशिक सहमत	24	24
3	पूर्णतः असहमत	18	18
4	आंशिक असहमत	10	10
	कुल	100	100

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

आरेख क्रमांक 9

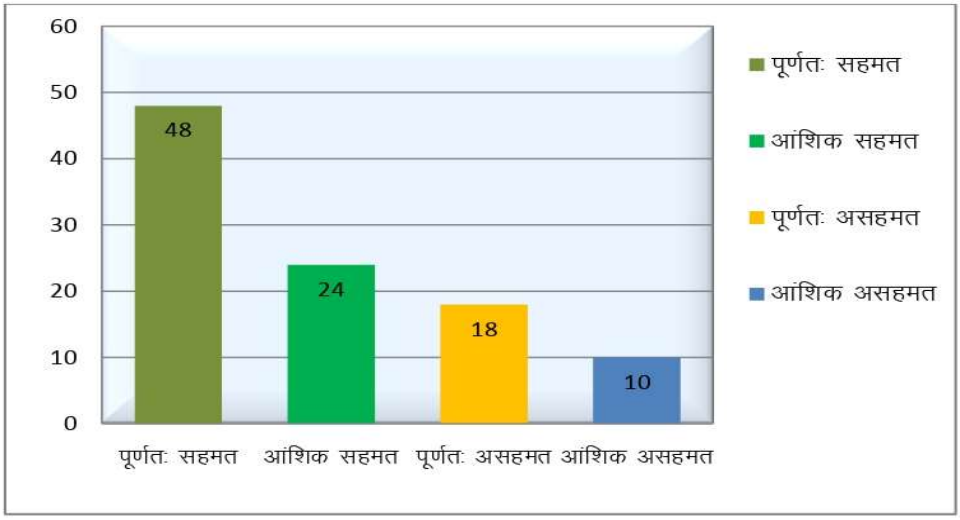

उपर्युक्त तालिका के आधार पर 48% युवाओं का कहना है कि उद्यमिता व स्टार्टअप संस्कृति से रचनात्मक सोच और नये आइडिया को प्रोत्साहन मिलता है। जिससे आत्मनिर्भरता की स्थानीय सोच विकसित होती है।

तालिका क्रमांक 10

क्र.	सरकारी सहयोग / नीति सुधार की ओर आवश्यकता	आवृत्ति	प्रतिशत
1	पूर्णतः हां	62	62
2	पूर्णतः नहीं	28	28
3	आंशिक रूप से आवश्यक	06	06
4	कभी–कभी आवश्यक	04	04
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 10

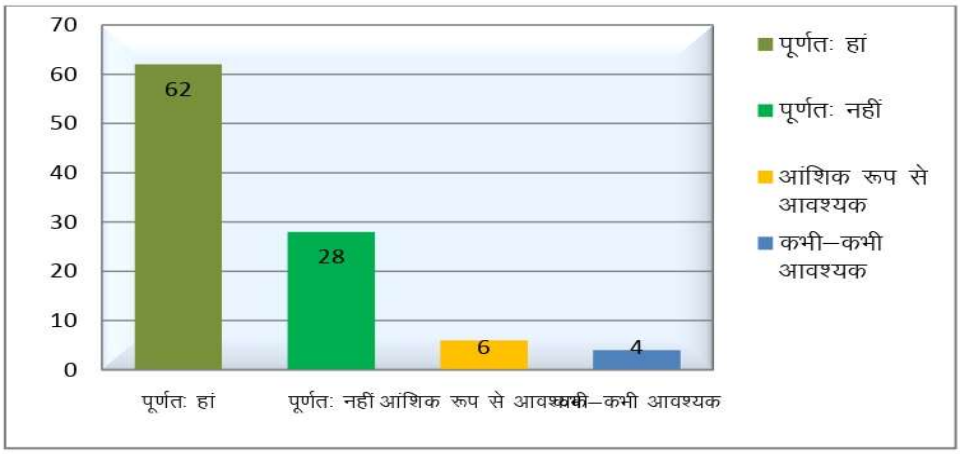

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

तालिका के आधार पर 62% युवाओं का कहना है कि सरकारी सहयोग और नीतियां जो आज उपलब्ध है। उसमें अभी सुधार की आवश्यकता है। 28% युवाओं का कहना है कि आंशित स्तर पर सुधार आवश्यक है।

तालिका क्रमांक 11

क्र.	स्टार्टअप में आने वाली बाधा	आवृत्ति	प्रतिशत
1	वित्तीय संसाधनों की कमी	58	58
2	बाजार जोखिम	12	12
3	कौशल और अनुभव की कमी	08	08
4	परिवार/समाज का सहयोग न मिलना	22	22
	कुल	100	100

आरेख क्रमांक 11

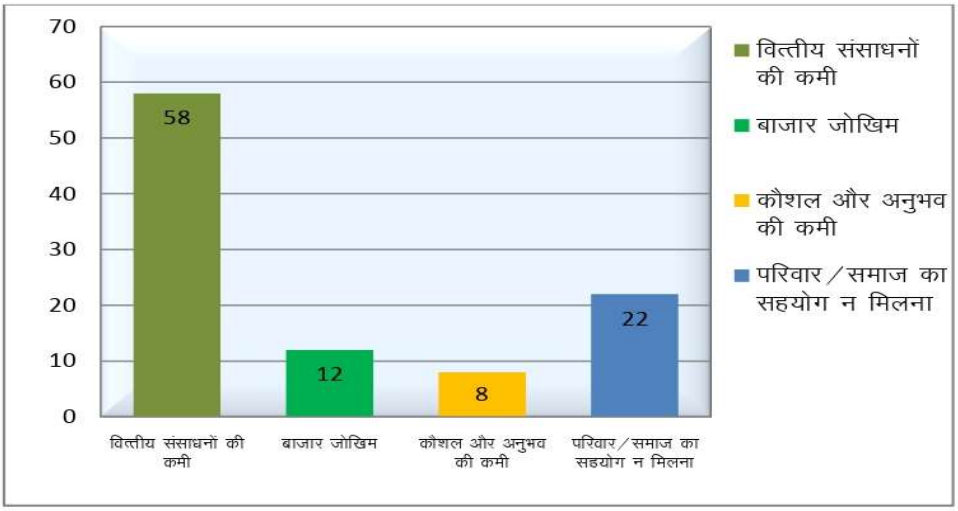

तालिका 11 के विश्लेषण से स्पष्ट है कि 58% युवा वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते स्टार्टअप संस्कृति को नहीं अपना पा रहे है। वहीं 22% युवाओं को पारिवारिक व सामाजिक सहयोग नहीं मिल रहा है।

निष्कर्ष

शहरी युवाओं में उद्यमिता एवं स्टार्टअप संस्कृति के विश्लेषणात्मक अध्ययन से स्पष्ट होता है, कि दुर्ग जिले के युवा स्टार्टअप के प्रति रूचि रखते है जिसका प्रतिशत 62% है जो हमारे न्यादर्श के 50 से अधिक है। प्रेरित करने वाले तत्वों में नौकरी की कमी के चलते युवा उद्यमिता व स्टार्टअप संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे है। जिसका प्रतिशत है। पारंपरिक नौकरी की तुलना में 48% युवा

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

उद्यमिता व स्टार्टअप को श्रेष्ठकर मानते है। क्योंकि यह अभी प्रचलन में है। 52% सहमत युवाओं का कहना है कि उद्यमिता से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर का सृजन होता है। 36% युवा अधिक रोजगार प्रदान करने वाले क्षेत्रों में खाद्य पदार्थो से संबंधित क्षेत्र को मानते है। नवाचार व नयी–नयी तकनीक को भी प्रोत्साहित करने में उद्यमिता व स्टार्टअप की विशेष भूमिका देखने को मिलती है। सर्वे के आधार पर जिसका प्रतिशत 58% है। उद्यमिता के द्वारा 30% युवा मानते है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है। 50% युवाओं का कहना है कि पूंजी निवेश स्टार्टअप से निश्चित तौर पर बढ़ता है। रचनात्मक व नयी सोच में वृद्धि भी होती है। जिसका प्रतिशत 48% है। इसी क्रम में सरकारी व नीति सुधार की आवश्यकता की भी आवश्यकता भी प्रतीत होती है जिसका प्रतिशत 62% है। 58% युवाओं के आधार पर वित्तीय संसाधनों में कमी स्टार्टअप की प्रमुख बाधा है।

सार यह है कि इस अध्ययन के आधार पर शहरी युवाओं का रूझान अब नौकरी के बजाय अपना व्यवसाय शुरू करने कि ओर है। 62% युवा इसे बेरोजगारी दूर करने और अपने स्थान विशेष पर रोजगार के नये अवसर पैदा करने का बेहतरीन जरिया मानते है। निश्चित तौर पर कुछ वित्तीय बाधाएँ देखने को मिलती है जिसे दूर कर और पारंपरिक काम काज से हटकर नवाचार और उद्यमशीलता को प्राथमिकता दे रहा है।

सुझाव

1. शहरी युवाओं में से ऐसे व्यक्ति की तलाश करे जो नवाचार एवं महत्वकांक्षी संस्कृति में योगदान दे। और उसको शिक्षण प्रशिक्षण के आधार पर उद्यमिता व नवाचार हेतु प्रोत्साहित करें।
2. स्टार्टअप इंडिया, अटल नवाचार मिशन, मुद्रा स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम, फंड ऑफ फुड्स योजना, TIFE 2.0 योजना, से युवाओं को अवगत करना जाना चाहिए।
3. युवाओं में उद्यमशीलता की मानसिकता को पोषित कर शिक्षा और कौशल विकास पर भी ध्यान देना चाहिए।

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(5), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

संदर्भ सूची

Karthiga, S. and Subhandhni, R. (2024). Cultivating enterpreneur and startup culture : Case study of thiagarajar collge of engineering. *Journal of Engineering Education Transformations,* 37, 462-468.

Fritsh, M. and Wyrwich, M. (2017). The effect of enterpreneurship on economic development – an empirical analysis using regional enterpreneurship culture. *Journal of Econimic Geography*, 17(1), 157-189.

we work 2024 why are startups culture flourishing in India. https://share.google/jsijjgrvkgukylonvk.

Peek, S. 2024, 12 ways to foster a more enterpreneurial culture.

https://share.google/9015ptshmrvliovsdk.

https://share.google/aimode/df1bzvjtykod8ncxj.